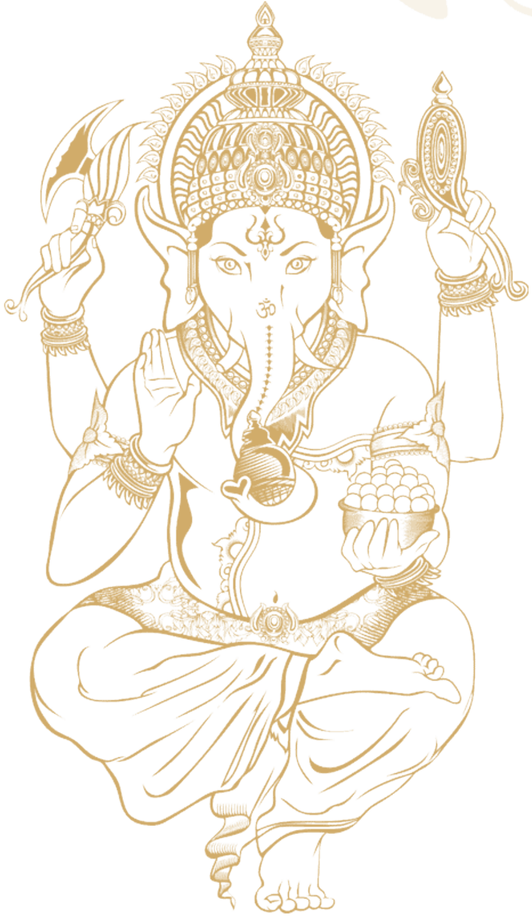

Mr.vasant

12 Feb 1978

09:45 AM

Dhanbad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120319802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/02/1978**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	08:33:43 घटी
स्थान	**Dhanbad**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	86:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:01:08 घंटे
वेलान्तर	-00:14:19 घंटे
साम्पातिक काल	19:28:35 घंटे
सूर्योदय	06:19:30 घंटे
सूर्यास्त	17:36:59 घंटे
दिनमान	11:17:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:32:35 मकर
लग्न के अंश	05:38:59 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	05:38:59	456:07:14	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			मक	29:32:35	01:00:41	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	28:08:58	12:54:04	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
मंगल	व		कर्क	00:52:00	00:14:12	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	नीच राशि
बुध		अ	मक	18:24:37	01:38:31	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	02:37:30	00:01:35	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	04:34:31	01:15:12	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		सिंह	03:54:11	00:04:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			कन्या	13:08:24	00:01:23	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	13:08:24	00:01:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	22:49:45	00:00:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
नेप			वृश्चि	24:23:48	00:01:12	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
प्लूटो	व		कन्या	22:58:33	00:00:49	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
दशम भाव			धनु	26:55:20	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:09

लग्न-चलित

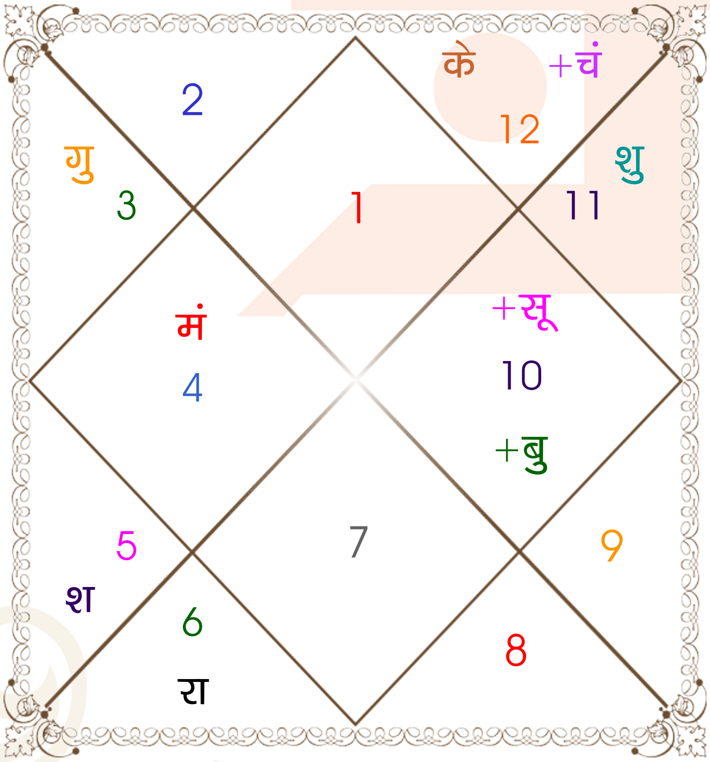

चन्द्र कुंडली

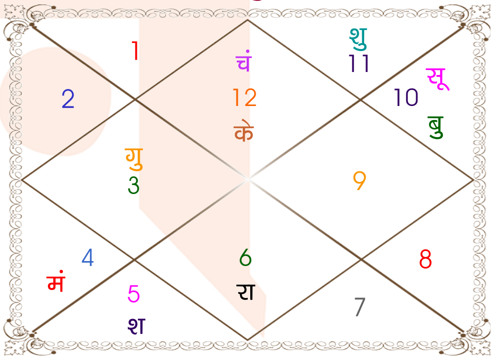

नवमांश कुंडली

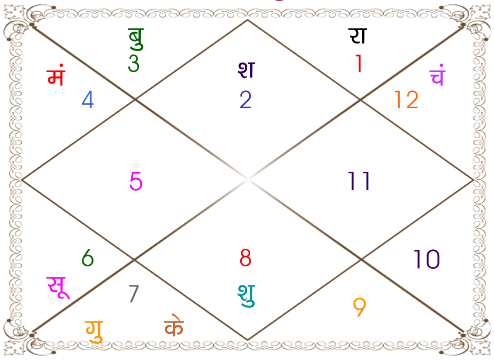

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 4 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
12/02/1978	**23/06/1980**	**23/06/1987**	**23/06/2007**	**23/06/2013**
23/06/1980	**23/06/1987**	**23/06/2007**	**23/06/2013**	**23/06/2023**
00/00/0000	केतु 19/11/1980	शुक्र 23/10/1990	सूर्य 11/10/2007	चंद्र 23/04/2014
00/00/0000	शुक्र 19/01/1982	सूर्य 23/10/1991	चंद्र 11/04/2008	मंगल 22/11/2014
00/00/0000	सूर्य 27/05/1982	चंद्र 23/06/1993	मंगल 16/08/2008	राहु 23/05/2016
00/00/0000	चंद्र 26/12/1982	मंगल 23/08/1994	राहु 11/07/2009	गुरु 22/09/2017
00/00/0000	मंगल 24/05/1983	राहु 23/08/1997	गुरु 29/04/2010	शनि 24/04/2019
00/00/0000	राहु 11/06/1984	गुरु 23/04/2000	शनि 11/04/2011	बुध 22/09/2020
00/00/0000	गुरु 17/05/1985	शनि 23/06/2003	बुध 16/02/2012	केतु 23/04/2021
12/02/1978	शनि 26/06/1986	बुध 23/04/2006	केतु 23/06/2012	शुक्र 23/12/2022
शनि 23/06/1980	बुध 23/06/1987	केतु 23/06/2007	शुक्र 23/06/2013	सूर्य 23/06/2023

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
23/06/2023	**23/06/2030**	**23/06/2048**	**23/06/2064**	**23/06/2083**
23/06/2030	**23/06/2048**	**23/06/2064**	**23/06/2083**	**12/02/2098**
मंगल 20/11/2023	राहु 05/03/2033	गुरु 11/08/2050	शनि 26/06/2067	बुध 19/11/2085
राहु 07/12/2024	गुरु 30/07/2035	शनि 21/02/2053	बुध 06/03/2070	केतु 16/11/2086
गुरु 13/11/2025	शनि 05/06/2038	बुध 30/05/2055	केतु 14/04/2071	शुक्र 16/09/2089
शनि 23/12/2026	बुध 22/12/2040	केतु 05/05/2056	शुक्र 14/06/2074	सूर्य 24/07/2090
बुध 20/12/2027	केतु 10/01/2042	शुक्र 04/01/2059	सूर्य 27/05/2075	चंद्र 23/12/2091
केतु 17/05/2028	शुक्र 10/01/2045	सूर्य 23/10/2059	चंद्र 25/12/2076	मंगल 19/12/2092
शुक्र 17/07/2029	सूर्य 04/12/2045	चंद्र 21/02/2061	मंगल 03/02/2078	राहु 09/07/2095
सूर्य 22/11/2029	चंद्र 05/06/2047	मंगल 28/01/2062	राहु 10/12/2080	गुरु 14/10/2097
चंद्र 23/06/2030	मंगल 23/06/2048	राहु 23/06/2064	गुरु 23/06/2083	शनि 12/02/2098

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।